प्रस्तावक (offeror) के पास कोई विधिक उपचार नहीं होता।

③ प्रस्थापना का संचारण होना चाहिए → प्रस्थापना का ज्ञान उस व्यक्ति को होना चाहिए जिससे प्रस्थापना किया गया हो, ताकि उसे स्वीकार करने या न करने का उचित अवसर मिले। उल्लेखनीय है कि प्रस्थापना संसूचित करने के आशय से होना चाहिए ताकि वह प्रभावकारी हो तथा स्वीकार करने वाले व्यक्ति के ज्ञान में आ जाय। प्रस्थापना की अज्ञानता में उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

④ प्रस्थापना विधिक सम्बन्ध स्थापित करने में सक्षम होना चाहिए – प्रस्थापना ऐसी हो जो स्वीकृति के बाद संविदा में परिवर्तित हो सके। मात्र बात चित के दौरान किये गये अभिप्राय प्रस्ताव नहीं होते। उसी प्रकार मजाक में की गई प्रतिज्ञा संविदा का रूप नहीं ले सकती।

⑤ अभिव्यक्त प्रस्थापना- जो प्रस्थापना अभिव्यक्त रूप से अर्थात मौखिक या लिखित शब्दों द्वारा की जाती है, उसे अभिव्यक्त प्रस्थापना कहते हैं। जैसे- राम और रहीम आमने-सामने बैठे हैं। राम रहीम से एक पुस्तक 15 रुपये में बेचने की प्रस्थापना करता है। यह मौखिक प्रस्थापना है। उसी प्रकार उमेश जो लखनऊ का निवासी है जोमीहन को पत्र द्वारा मकान बेचने की प्रस्थापना करता है। यह लिखित प्रस्थापना अभिव्यक्त हुई। आशय यह कि प्रस्थापना शब्दों या व्यवहार द्वारा की जा सकती है

⑥ प्रस्थापना सशर्त भी हो सकती है – जब कोई प्रस्ताव शर्तों से युक्त है तो स्वीकारकर्ता उन शर्तों से तब-तक बाध्य नहीं है जब-तक कि उसे उसकी पूर्ण सूचना नहीं हो। इसका तात्पर्य यह है कि शर्तें इस प्रकार स्पष्ट हो कि उसका ध्यान उन शर्तों पर आकर्षित हो। यदि शर्तें ऐसी हैं जो एक साधारण बुद्धि वाले व्यक्ति के ज्ञान में नहीं आ सकती हैं तो वे संसूचित नहीं मानी जायेंगी। हेन्डरसन बनाम स्टीवेन्सन के वाद में वादी ने स्टीमर का एक टिकट खरीदा जिस पर 'डबलिन से व्हाइटहेवन' मुद्रित था तथा टिकट के पीछे कुछ शर्तें भी छपी थी

Scanned with CamScanner

(9) मान्य प्रस्थापना की विशेषताएँ-

● प्रतिज्ञा का रूप धारण कर सकती है। हार्वे बनाम फेसी के वाद में हार्वे ने फेसी को तार दिया कि "क्या आप हमें बम्पर हाल पेन बेचेंगे ? न्यूनतम मूल्य तार से सूचित कीजिए ? फेसी ने तार भेजा-"न्यूनतम मूल्य 900 पौंड।" हार्वे ने उत्तर दिया-"हम उन्हें 900 पौंड में खरीदने के लिए तैयार हैं।" फेसी ने कोई उत्तर नहीं दिया न्यायालय ने निर्णय दिया कि इसमें संविदा हुई ही नहीं, क्योंकि फेसी ने सिर्फ मूल्य सूचित किया, बेचने की उत्सुकता प्रकट नहीं की। हार्वे का अन्तिम तार प्रस्ताव था, जिसका फेसी ने स्वीकार किया ही नहीं था।

(10) प्रस्थापना अथवा प्रस्ताव स्वीकार किये जाने के पहले किसी भी समय अखण्डित किया जा सकता है- कभी-कभी प्रस्थापक अपनी प्रस्थापना में उसकी स्वीकृति के लिए समय भी देता, लेकिन वह उससे बाध्य नहीं है, वह उस वस्तु को किसी अन्य व्यक्ति को बेच सकता है, क्योंकि प्रस्थापना को कुछ समय तक खुला रहने की प्रतिज्ञा प्रतिफल रहित करार (nudam pactum) मानी जाती है, अतः न्यायालय द्वारा अप्रवर्तनीय है। उदाहरण के लिए उमंग ने उत्सव से अपना मकान बेचने की प्रस्थापना किया उत्सव को प्रतिग्रहण करने के लिए 15 दिनों का समय दिया गया लेकिन उमंग यदि चाहे तो पन्द्रह दिन के अन्दर ही उस मकान को किसी अन्य व्यक्ति से बेच सकता है। समय देने का तात्पर्य यह है कि यदि प्रस्थापना अपखण्डित नहीं की गई तो उसके लिए खुली रहेगी। इसके विपरीत दूसरी परिस्थिति में यदि अ के द्वारा प्रस्थापना करने पर ब उसे कुछ बयाने के रूप में दे दे तो अ अपनी प्रस्थापना का अपखण्डन नहीं कर सकता। जैसे- अ 5000 रु० में अपना मकान बेचने की प्रस्थापना करता है। ब अ को सूचित करता है यदि 10 दिनों का समय दिया जाय तो वह 200 रु० देगा। अगर वैसा किया गया तो इस परिस्थिति में अ अपनी प्रस्थापना को 15 दिनों के अन्दर अपखण्डित नहीं कर सकता।

(11) प्रस्थापना अथवा प्रस्ताव, प्रस्थापना अथवा प्रस्ताव के लिए निमंत्रण नहीं होता है। इसकी व्याख्या परिभाषा में सन्निहित है जो इस प्रकार है-

Scanned with CamScanner

(P-6) मान्य प्रस्थापना के विशेष शर्तें—

प्रस्थापना के लिए निमंत्रण — "प्रस्थापना के लिए निमंत्रण प्रस्थापना के समतुल्य नहीं हो सकता। क्योंकि प्रस्थापना संविदा करने के इच्छुक व्यक्ति की अंतिम अभिव्यक्ति है। इसका मुख्य उद्देश्य व्यक्ति का सहमति या अनुमति प्राप्त करना होता है।

जब कोई व्यक्ति दूसरे की अनुमति या सहमति प्राप्त करने के आशय से नहीं, बल्कि कुछ बातों की सूचना परिचालित या शर्तें रखकर यह आशा करता है कि कोई इच्छुक व्यक्ति चाहे तो सूचना या शर्तों के आधार पर प्रस्थापना कर सकता है तो उसे प्रस्थापना अथवा प्रस्ताव के लिए निमंत्रण कहते हैं। जैसे - दुकानदार द्वारा मूल्य-सूची प्रदर्शित करना, बिक्री की जाने वाली वस्तुओं पर मूल्य अंकित करना, निविदा (Tender) का विज्ञापन नीलाम की सूचना।

(D) प्रस्तावना की शर्तों का स्पष्ट एवं पठनीय होना— प्रस्थापना की शर्तों का स्पष्ट एवं पठनीय होना आवश्यक है। यदि शर्तें स्पष्ट नहीं हैं तो इसका पालन आवश्यक नहीं रहा जाता।

The end.

संक्षिप्त टिप्पणी

① स्थायी या चलत प्रस्थापना (Standing or Continuing Offer) → जब ~~[illegible]~~ सार्वजनिक संस्थानों एवं आम जनता को निश्चित अवधि के लिए अधिक मात्रा में वस्तुओं की जरूरत पड़ती है तो निविदा (Tender) आमंत्रित की जाती है। ऐसी प्रस्थापना निश्चित अवधि के लिए मान्य होती है। जरूरत के हिसाब से जैसे-जैसे आर्डर दिया जाता है तभी स्वीकृति होती है। इस प्रकार प्रत्येक आर्डर स्वीकृति माना जाता है और प्रस्थापना खुली रहती है। ऐसी प्रस्थापना की श्रृंखला को स्थायी प्रस्थापना कहते हैं।

Scanned with CamScanner